यूपी में 8 ईवी कंपनियां बनाएंगी कार-बस

■ अजित खरे

उत्तर प्रदेश में 8 इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनियां अलग-अलग शहरों में नए औद्योगिक प्लांट लगाने जा रही हैं।

यह कंपनियां इलेक्ट्रिक कार, स्कूटर के साथ ट्रक भी बनाएंगी। साथ ही कुछ कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहन में इस्तेमाल होने वाली बैटरी व कलपुर्जे का निर्माण भी करने की योजना बनाई है। इन सभी परियोजनाओं के लिए 561 एकड़ जमीन की जरूरत है। इन परियोजनाओं के जरिए राज्य में 10820 करोड़ रुपये का निवेश होना है। इनमें दो कंपनी फार्च्यून 500 के तहत निवेश करेंगी। एमवी मोबलिटी कंपनी की योजना 200 करोड़ रुपये का निवेश कर इलेकट्रानिक ट्रक बनाने की परियोजना तैयार की है। इसके लिए आगरा या मथुरा दस एकड़ जमीन पर यह प्लांट लगेगा। बुंदेलखंड में झांसी के पास बनने जा रहे नए औद्योगिक शहर में ईरीशा कंपनी ने 300 एकड़ जमीन मांगी है।

इस पर 1500 करोड़ रुपये के निवेश इलेक्ट्रिक व्हीकल व बैटरी का निर्माण होना है।

औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने इन कंपनियों की परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए जमीन आवंटित करने को कहा है। यह जमीन यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण , ग्रेटर नोएडा, यूपीसीडा व बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को उपलब्ध करानी है।

इस मेगा प्रोजेक्ट पर पहले से ही तेजी से काम चल रहा

लखनऊ में अशोक लीलैंड द्वारा स्कूटर इंडिया की जमीन पर परियोजना का शिलान्यास इसी साल फरवरी में हुई ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी में हो चुका है।

यहां 1000 करोड़ के निवेश से इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने के लिए प्लांट व मशीनरी लगाने का काम चल रहा है। यहां यूपीसीडा ने कंपनी को 70 एकड़ जमीन उपलब्ध करवा दी है।

11 हजार करोड़ रुपये का कुल निवेश होने का अनुमान

ईवी कंपनियों का निवेश

निवेश कंपनी	जमीन	निवेश
ट्यूब इन्वेस्टमेंट	20	200
जेटू सीवी	100	7500
ऊर्जा ग्लोबल	20	500
कोरिट	100	560
सर्वोटेक	10	300
अमबरान	01	60
एमवी मोबिलिटी	10	200
ईरीशा	300	1500

नोट :जमीन एकड़- निवेश करोड़ में

लखनऊ में चल रहा काम

लखनऊ में अशोक लीलैंड द्वारा स्कूटर इंडिया की जमीन पर परियोजना का शिलान्यास इसी साल फरवरी में हुई ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी में हो चुका है। यहां 1000 करोड़ के निवेश से इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने के लिए प्लांट व मशीनरी लगाने का काम चल रहा है। यहां यूपीसीडा ने कंपनी को 70 एकड़ जमीन उपलब्ध करवा दी है।